

राजस्थान प्रमुख अधिकारी तिजारा (अलावर) राजा
तीजारी अधिकारी को राम शावत (आर०५०५०५०)

तीजारी कोसला १५/११/१९५३

पुस्तक नंबर
१०१

तीजारी नाम
१५ ११ १९५३
राजस्थान

१. अलावर
२. अलावर प्रमुख रामशिव
३. अलावर देवी देवी रामशिव
४. अलावर पुत्र रामशिव
५. अलावर देवी देवी रामशिव
६. अलावर पुत्र रामशिव
७. अलावर
८. अलावर पुत्र रामशिव
९. अलावर पुत्र रामशिव जाति अहीर निवासी राम विशामपुर तहसील तिजारा जिला अलावर (राज०)

-----: दावीगण

बनाम

१. श्रीमान् तहसीलदार राजस्थान (भूमिधारी अधिकारी) तहसील तिजारा जिला अलावर (राज०)

-----: प्रतिवादी

दादा इशतकशरहक मग हुममइतनाई तवागी

अन्तर्गत धारा १४३, १४९ व १४४ राजस्थान काश्तकारी अधिनियम १९६६

==: निर्णय ==:

प्रकरण के सूक्ष्म पतागत इस प्रकार है कि दावीगण के दादा इशतकशरहक मग हुममइतनाई तवागी अन्तर्गत धारा १४३, १४९ व १४४ राजस्थान काश्तकारी अधिनियम १९६६ विरुद्ध प्रतिवादीगण प्रस्तुत कर विवेचन किया है कि हाल आराजी खसरा नम्बर १४ एकवा १ बीघा ११ बिस्वा बाके मग बाहियावास तहसील तिजारा जिला अलावर (राज०) है जिसमें से ०.३२ है० भूमि इस वाद में विवादित आराजी कहलावेगी। जो साबिक आराजी खसरा नम्बर १९२ व १९३ से भू-पक्का विभाग द्वारा बनाया गया है। वारसे मुलाहिजा नकल जमावन्ती संवत् २०२९ मिलाग कोत्रफल व जमावन्ती संवत् २०२२ संलग्न वाद पत्र है। साबिक आराजी खसरा नम्बर १९३ एकवा २ बीघा १० बिस्वा व खसरा नम्बर १९२ एकवा ६ बीघा १९ बिस्वा के मालिक खातेदार नरु वल्लू सुरजा व इरु वल्लू मंगाराहाय जाति तवागी निवासी तिजारा थे। जिन्होंने उक्त आराजी का १/२ हिस्सा दावीगण के पिता व दादा रामजीलाल पुत्र चन्नु व हुमम वल्लू श्योलाल जाति अहीर निवासी विरामपुर ने जरिये रजि० नमनामा दिनांक ०६.०७.१९६३ को प्रतिफल अदाकर बाजापता बाकबजा खरीद की थी और उक्त खरीद से ही दावीगण के दादा व पिता की उक्त आराजी कब्जा काश्त खातेवारी की रही तथा उनकी मृत्यु के बाद हम दावीगण की उक्त आराजी कब्जा काश्त खातेवारी की रही है तथा भीकें पर आज भी हम दावीगण का कब्जा काश्त है। आराजी खरीद के बाद

✓

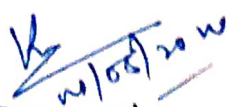
नामान्तरण संख्या 31 जोकि वादीगण के पिता व दादा दर्ज व रखा गया था। जबकि साबिक आराजी खसरा नम्बर 192 व 193 में हाल आराजी खसरा नम्बर 78 व 77 में वादीगण का खातेदारी का दर्ज कर दिया लेकिन आराजी खसरा नम्बर 78 वाके ग्राम बालियावास तहसील तिजारा में हम वादीगण को 0.32 है० का गैर खातेदार का अंकन राजस्व रिकार्ड में चला आ रहा है। वास्ते मुलाहिजा नकल नामान्तरण व बयनामा संलग्न वाद पत्र है। उक्त आराजी हमेशा से ही हम वादीगण की कब्जा काश्त खातेदारी की आराजी रही है तथा गैरखातेदारी का अंकन रहने से हम वादीगण के हक व हकूकों पर भारी कुठाराघात होता है इसलिए हम वादीगण कानूनन बाई ऑपरेशन ऑफ लॉ भी कानून अपने आपको खातेदार घोषित कराने के अधिकारी है तथा राजस्व रिकार्ड जमाबन्दी में जो अमल गैरखातेदारी का चला रहा है उसे हजफ कराकर कानून अपने नाम शेष रकबा 0.32 है० हाल खसरा नम्बर 78 वाके ग्राम बालियावास तहसील तिजारा जिला अलवर में खातेदारी दर्ज कराने के अधिकारी है। राज्य सरकार तहसीलदार के विरुद्ध है जिसको कानून धारा 80 जा०दी० का 2 माह का रजि० नोटिस भी तहसीलदार तिजारा को दिया जा चुका है। उसके बावजूद भी हम वादीगण के नाम प्रतिवादी द्वारा वादीगण के नाम का अंकन राजस्व रिकार्ड में नहीं किया गया है। उक्त गलत इन्द्राज के रहने से हम वादीगण के हकूकों पर भारी कुठाराघात होता है और उक्त गलत इन्द्राज का ज्ञान हम वादीगण को माह अगस्त 2010 में हुआ। उसके पश्चात दिनांक 01.09.2010 को 2 माह का कानूनी नोटिस प्रतिवादी को दिया गया जो तारीख दावा हाजा के लिए बिनायेदावी, बिनाये मुख्यासमत से पैदा होकर दावा हाजा पेश करना लाजिम आया है तथा जो इन्द्राज हम वादीगण का आराजी खसरा नम्बर 78 में रकबा 0.32 है० का वाके ग्राम बालियावास तहसील तिजारा का गलत इन्द्राज आया है उसे हम वादीगण दुरुस्त कराने के अधिकारी है तथा उक्त गलत इन्द्राज हम वादीगण के हकूकों के विरुद्ध बातिल वो बेअसर है व नाकाबिले पाबन्दी है।

दावा दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को जरिये समन तलब किया तथा जवाब पेश करने का अवसर प्रदान किया। प्रतिवादी पैरोकार तहसीलदार तिजारा ने जवाब पेश किया जो शामिल पत्रावली किया गया। वादीगण की सख्य ली जाकर बहस वकील वादी एक पक्षीय सुनी गई।

पत्रावली का अवलोकन किया गया तथा बहस पर मनन किया गया। साबिक रिकार्ड में उक्त खसरा नम्बर खातेदारी में दर्ज था परन्तु हाल खसरा नम्बर 78 में वादीगण को सहवन गैर खातेदार दर्ज कर दिया गया है वादीगण गैर खातेदार के स्थान पर खातेदारी का अंकन कराने के अधिकारी पाये जाते है।

अतः दावा वादीगण डिक्री किया जाकर हाल आराजी खसरा नम्बर 78 रकबा 4 बीघा 11 बिस्वा वाके ग्राम बालियावास तहसील तिजारा जिला अलवर (राज०) में से 0.32 है० पर वादीगण को गैर खातेदार के स्थान पर खातेदार घोषित किया जाता है उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किया जावे। पर्चा डिक्री जारी हो।

आदेश सुनाया गया।


(के० राम यादव)
उपखण्ड अधिकारी,
तिजारा (अलवर)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी तिजारा (राज0)

पीठासीन अधिकारी के0 राम यादव (आर0ए0एस0)

मुकदमा नम्बर
28/2011

तारीख दायर
28-01-2011
उनवान

तारीख फैसला
04/8/2020

01. महेन्द्र
02. विनोद पुत्रान रामसिंह
03. मु0 लाली देवी बेवा रामसिंह
04. दयाराम पुत्र रामजीलाल
05. मु0 कलावती देवी बेवा हुकमसिंह
06. नवलसिंह पुत्र हुकमसिंह
07. बिमला
08. लाली पुत्रीयान हुकमसिंह
09. देवेन्द्र कुमार पुत्र हुकमसिंह जाति अहीरान निवासीगण ग्राम बिरामपुर तहसील तिजारा जिला अलवर (राज0)

-----:: वादीगण

बनाम

01. श्रीमान् तहसीलदार साहब तिजारा (भूमिधारी अधिकारी) तहसील तिजारा जिला अलवर (राज0)

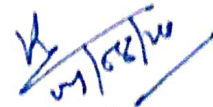
-----:: प्रतिवादी

दावा इश्तकरारहक मय हुकमइम्तनाई दवामी

अन्तर्गत धारा 88, 89 व 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

-:: पर्चा डिकी ::-

जाकर हाल आराजी खसरा नम्बर 78 रकवा 4 बीघा 11 बिस्वा वाके ग्राम बालियावास तहसील तिजारा जिला अलवर (राज0) में से 0.32 है0 पर वादीगण को गैर खातेदार के स्थान पर खातेदार घोषित किया जाता है उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किया जावें।


(के0 राम यादव)
उपखण्ड अधिकारी,
तिजारा (अलवर)